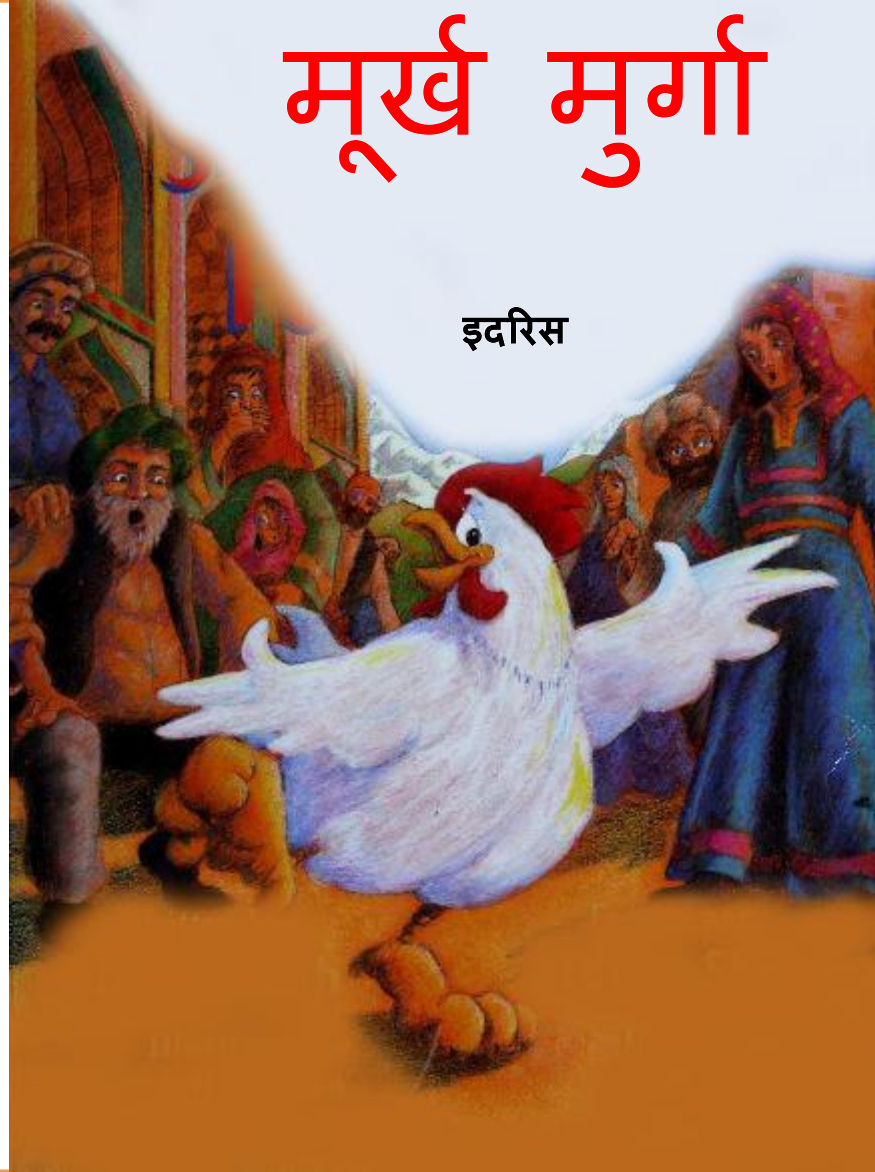
# मूर्ख मुर्गा

इदरिस



मूर्ख मुर्गा एक सुंदर कहानी है जिसे इदरिस शाह ने बच्चों के लिये लिखा है. यह कहानी एक मुर्गे की है जो मनुष्यों जैसा बोलना सीख जाता है. यह कहानी बच्चों का मनोरंजन तो करेगी साथ में उन्हें यह शिक्षा भी देगी कि किसी की बातों  में जल्दी आ जाना हमारे लिये हानिकारक भी हो सकता है और हमें सदा दूसरों की बातों को जांच लेना चाहिए और अपनी सोच-समझ से काम लेना चाहिये.

# मूर्ख मुर्गा





**ONCE UPON A TIME**, in a country far away, there was a town, and in the town there was a chicken, and he was a very silly chicken indeed. He went about saying "Tuck-tuck-tuck, tuck-tuck-tuck, tuck-tuck-tuck." And nobody knew what he meant.

Of course, he didn't mean anything at all, but nobody knew that. They thought that "Tuck-tuck-tuck, tuck-tuck-tuck, tuck-tuck-tuck" must mean something.



एक समय की बात है कि बहुत दूर एक देश के एक नगर में एक मुर्गा था, जो सच में बहुत ही मूर्ख था. वह हर समय ‘टुक-टुक-टुक, टुक-टुक-टुक, टुक-टुक-टुक’ बोलता रहता था. लेकिन किसी को समझ न आता था कि जो वह बोलता था उसका अर्थ क्या था.

बेशक, उसके बोलने का कोई अर्थ था ही नहीं, लेकिन यह बात  कोई न जानता था. उन्हें लगता था की ‘टुक-टुक-टुक, टुक-टुक-टुक, टुक-टुक-टुक’ का कुछ तो अर्थ होना चाहिये.



Now, a very clever man came to the town, and he decided to see if he could find out what the chicken meant by "Tuck-tuck-tuck, tuck-tuck-tuck, tuck-tuck-tuck."

First he tried to learn the chicken's language. He tried, and he tried, and he tried. But all he learned to say was "Tuck-tuck-tuck, tuck-tuck-tuck, tuck-tuck-tuck." Unfortunately, although he sounded just like the chicken, he had no idea what he was saying.

Then he decided to teach the chicken to speak our kind of language. He tried, and he tried, and he tried.

It took him quite a long time, but in the end, the chicken could speak perfectly well, just like you and me.



एक दिन एक चतुर आदमी उस नगर में आया. उसने सोचा कि क्या वह पता लगा सकता था कि जब मुर्गा 'टुक-टुक-टुक, टुक-टुक-टुक, टुक-टुक-टुक' बोलता था तो उसकी बात का अर्थ क्या था.
सबसे पहले उसने मुर्ग़े की भाषा सीखने का प्रयास किया. उसने प्रयास किया, और प्रयास किया, फिर और प्रयास किया. लेकिन इतने प्रयास के बाद भी वह आदमी सिर्फ 'टुक-टुक-टुक, टुक-टुक-टुक, टुक-टुक-टुक' बोलना ही सीख पाया. दुर्भाग्य से, यद्यपि वह मुर्गे की तरह बोल तो लेता था पर उसे यह न पता था कि वह बोल क्या रहा था.
फिर उसने तय किया कि उस मुर्गे को वह मनुष्यों की तरह बोलना सिखाएगा. उसने प्रयास किया, और प्रयास किया, फिर और प्रयास किया.
उसे बहुत समय लगा मुर्गे को सिखाने में, लेकिन अंततः मुर्गा अच्छी तरह बौलने लगा, वैसे ही जैसे आप और हम बोलते हैं.



After learning to speak as we do, the chicken went into the main street of the town and called out, "The earth is going to swallow us up!" At first the people didn't hear what he was saying because they didn't expect a chicken to be talking human language.

The chicken called out again, "The earth is going to swallow us up!" This time the people heard him, and they began to cry out,

"Good heavens!"

"Good gracious!"

"Dear me!"

"The earth is going to swallow us up!"

"Yes, indeed! The chicken says so!"

जब मुर्गा मनुष्यों की तरह बोलना सीख गया तो वह उस नगर के मुख्य बाज़ार में आ गया और चिल्ला कर बोला, “धरती हम सब को निगल जाने वाली है!” पहले तो लोगों ने सुना ही नहीं कि वह क्या कह रहा था, क्योंकि किसी ने सोचा भी न था कि कोई मुर्गा मनुष्यों की भाषा में बात कर सकता था.

मुर्गे ने फिर चिल्ला कर कहा, “धरती हम सब को निगल जाने वाली है!” इस बार लोगों ने उसकी बात सुनी और सब चिल्लाने लगे.

“हे भगवान!”

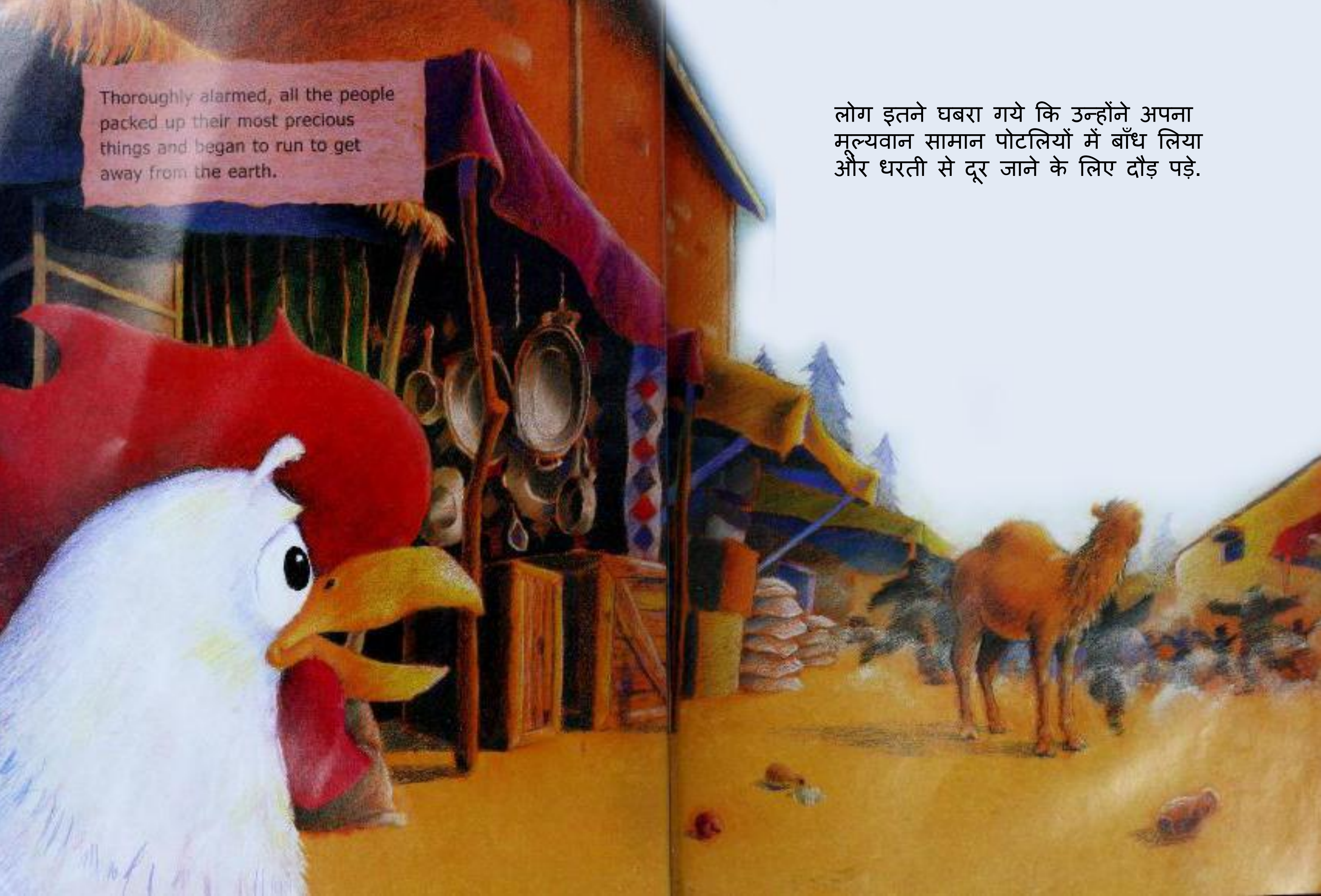
“प्रभु कृपा!”

“अब क्या होगा!”

“धरती हम को निगल जायेगी!”

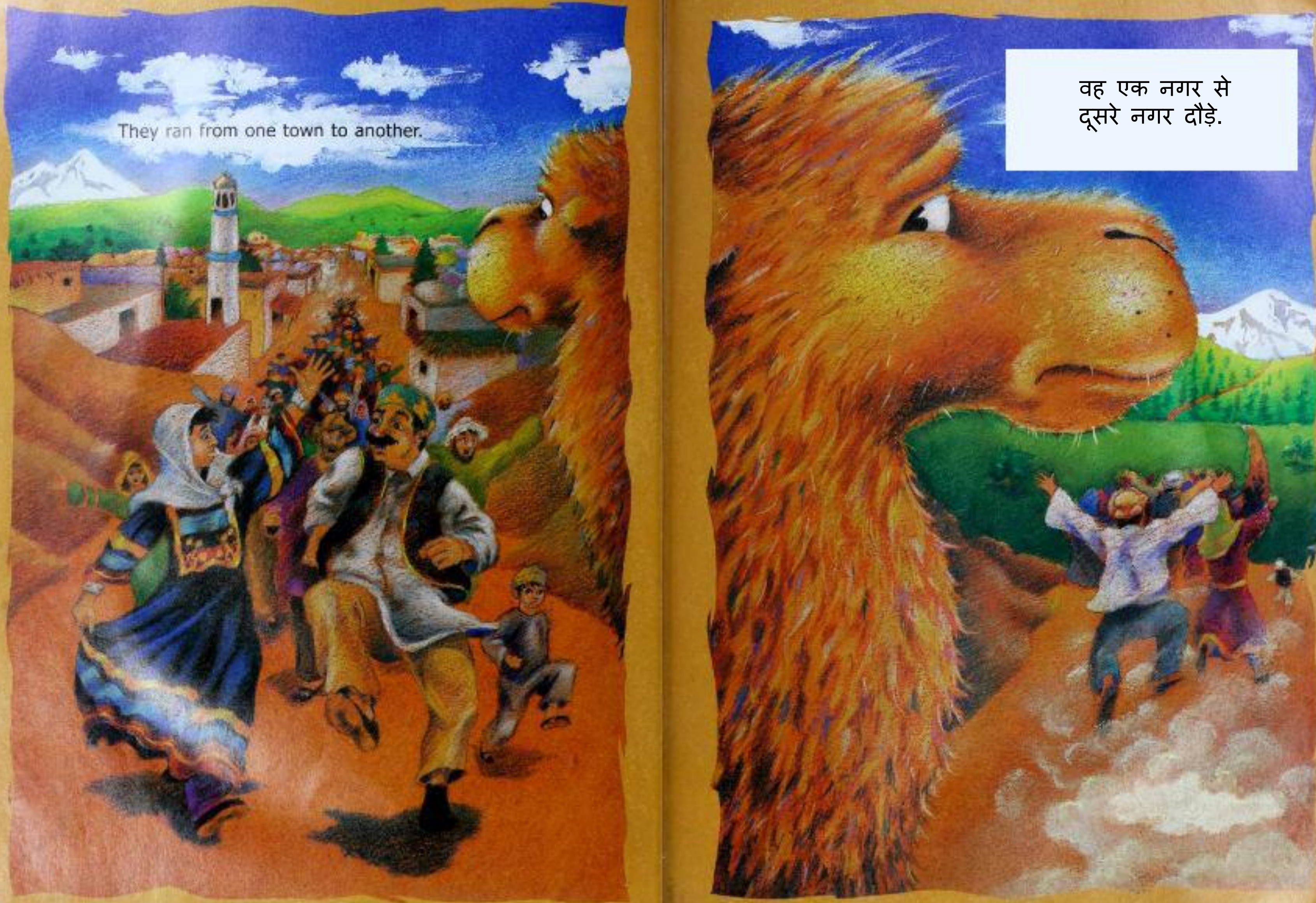
“सच में! मुर्गे ने ऐसा ही कहा!”





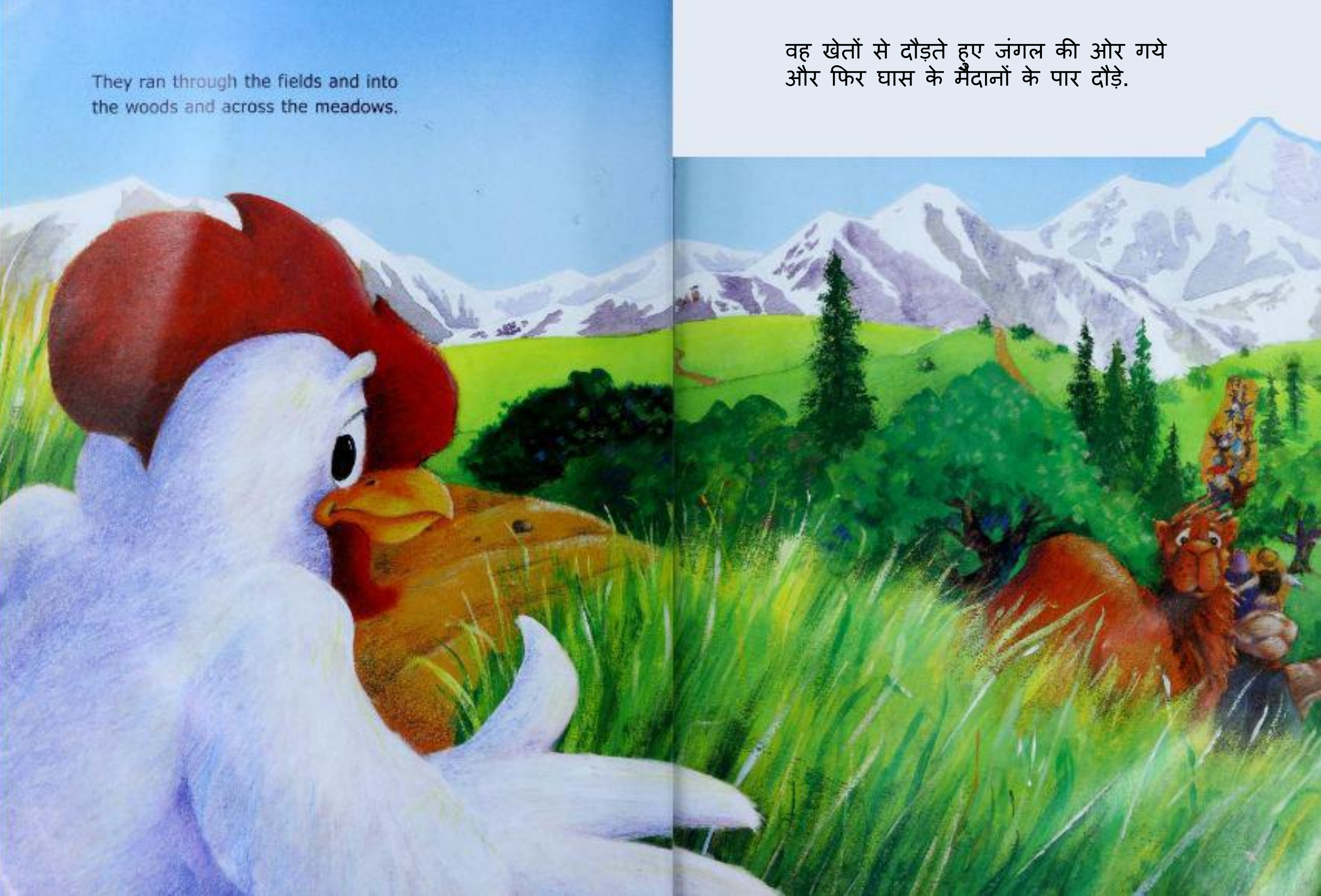
Thoroughly alarmed, all the people packed up their most precious things and began to run to get away from the earth.

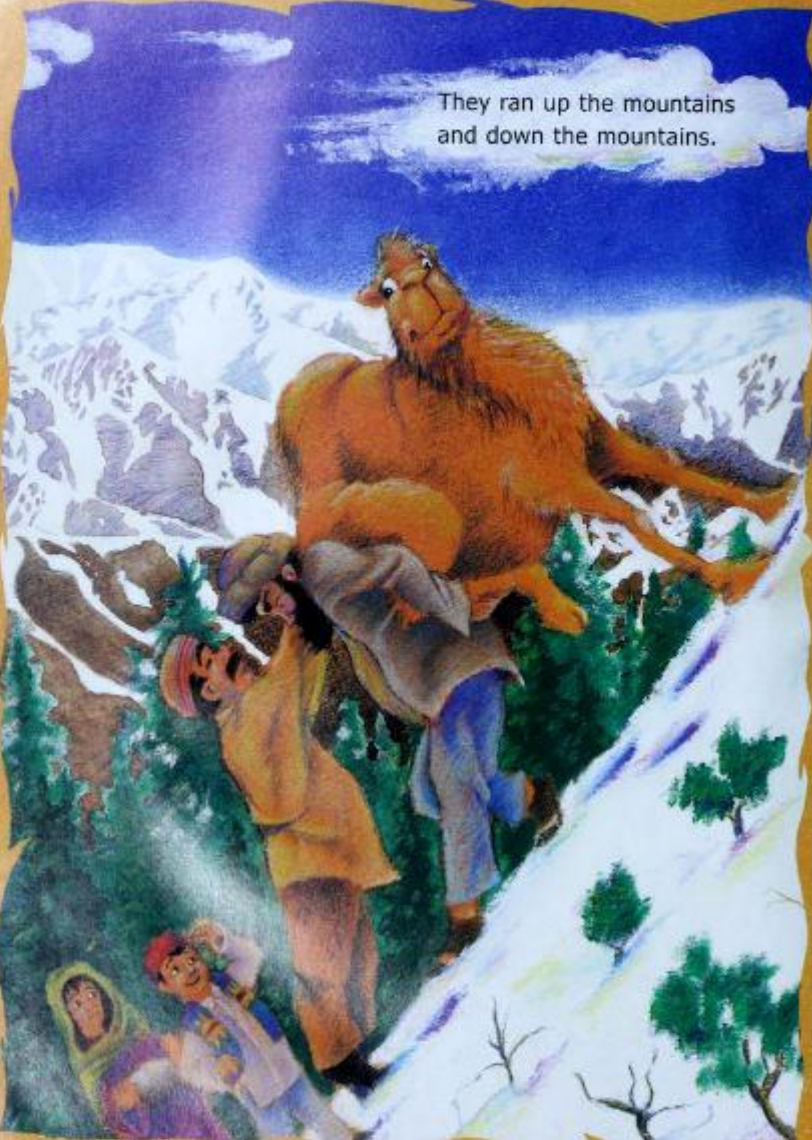
लोग इतने घबरा गये कि उन्होंने अपना मूल्यवान सामान पोटलियों में बाँध लिया और धरती से दूर जाने के लिए दौड़ पड़े.


They ran from one town to another.
वह एक नगर से
दूसरे नगर दौड़े.

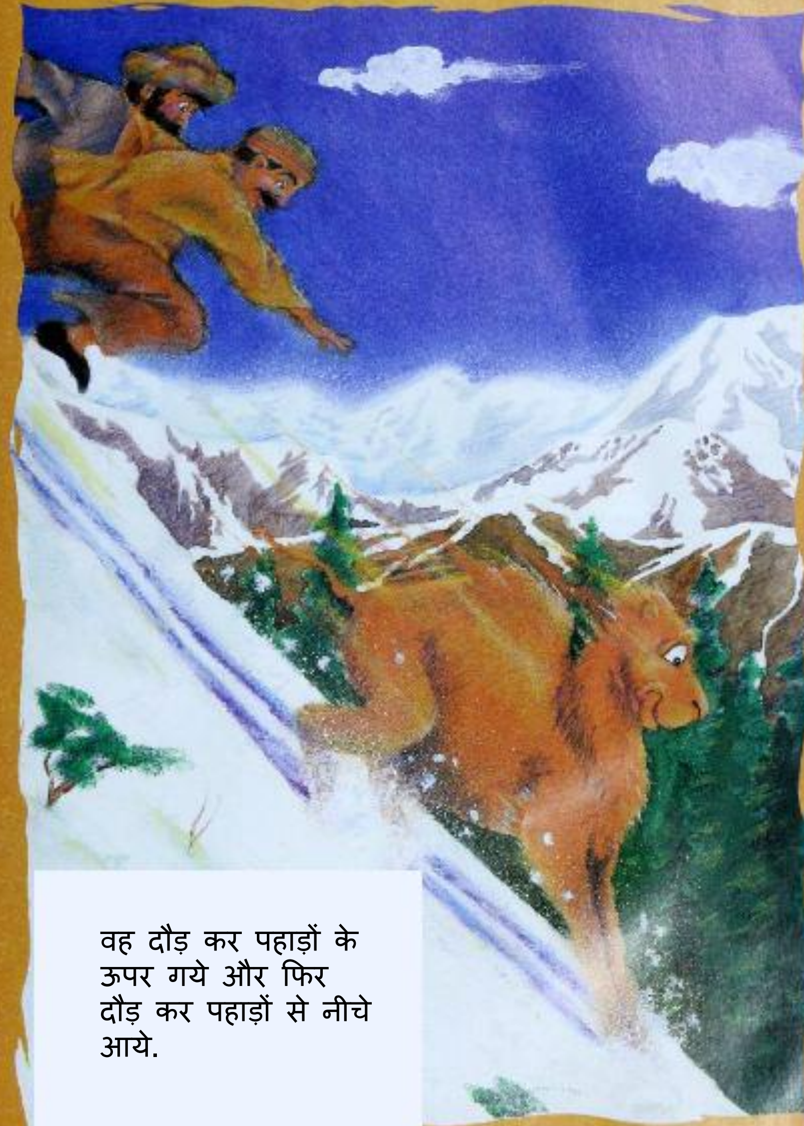
They ran through the fields and into the woods and across the meadows.

वह खेतों से दौड़ते हुए जंगल की ओर गये और फिर घास के मैदानों के पार दौड़े.

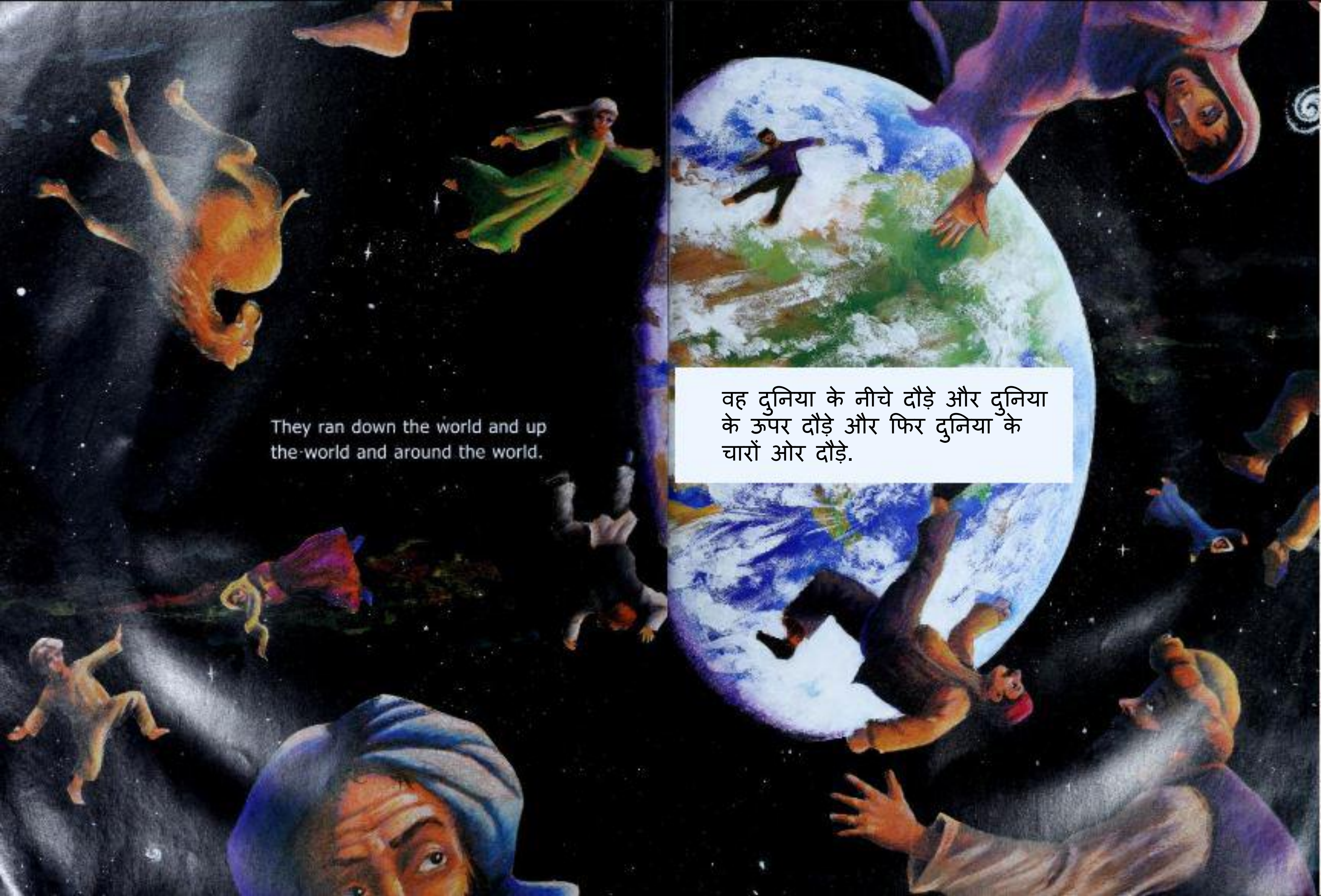




They ran up the mountains
and down the mountains.

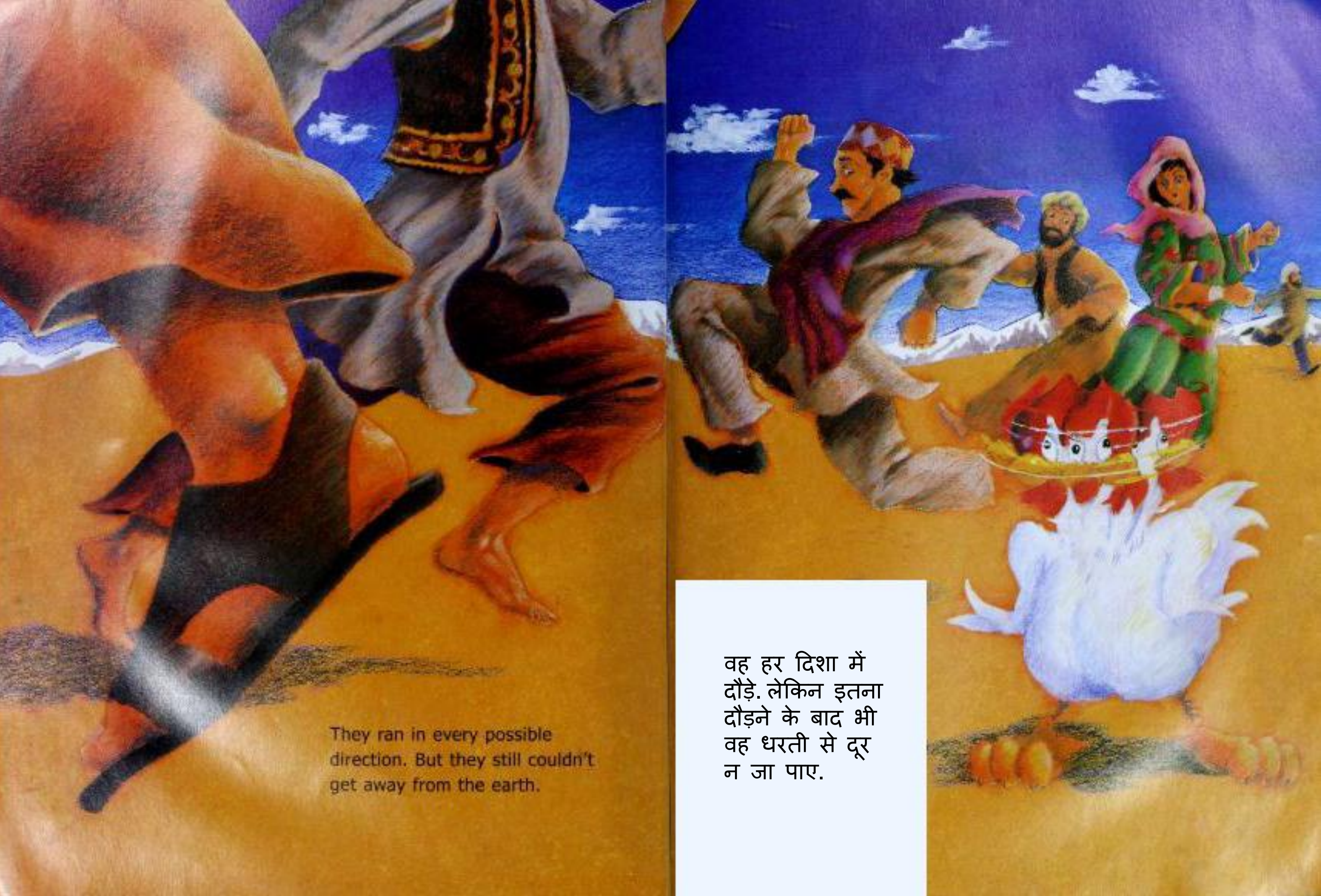


वह दौड़ कर पहाड़ों के
ऊपर गये और फिर
दौड़ कर पहाड़ों से नीचे
आये.



They ran down the world and up the world and around the world.

वह दुनिया के नीचे दौड़े और दुनिया के ऊपर दौड़े और फिर दुनिया के चारों ओर दौड़े.



They ran in every possible direction. But they still couldn't get away from the earth.

वह हर दिशा में दौड़े. लेकिन इतना दौड़ने के बाद भी वह धरती से दूर न जा पाए.

Finally they came back to their town. And there was the chicken, just where they had left him before they started running.

"How do you know the earth is going to swallow us up?" they asked the chicken.

"I don't know," said the chicken.

At first the people were astonished, and they said again and again, "You don't know? You don't know? You don't know?"

And they became furious, and they glared sternly at the chicken and spoke in angry voices.

"How could you tell us such a thing?"

"How dare you!"

आखिरकार वह अपने नगर ही लौट आये. उन्हें वह मुर्गा उसी जगह मिला जहां उसे वह छोड़ कर भाग खड़े हुए थे.

“तुम ने कैसे जाना कि धरती हमें निगल जायेगी?” उन्होंने मुर्गे से पूछा.

“मैं नहीं जानता,” मुर्गा बोला.

पहले तो लोगों को आश्चर्य हुआ और वह बार-बार कहने लगे, “तुम नहीं जानते? तुम नहीं जानते? तुम नहीं जानते?”

फिर वह क्रोधित हो गये और मुर्गे को घूर कर देखने लगे और फिर वह गुस्से से बोलने लगे.

“तुम ऐसी बात हमें कैसे कह पाये?”

“तुम्हारा साहस कैसे हुआ?”



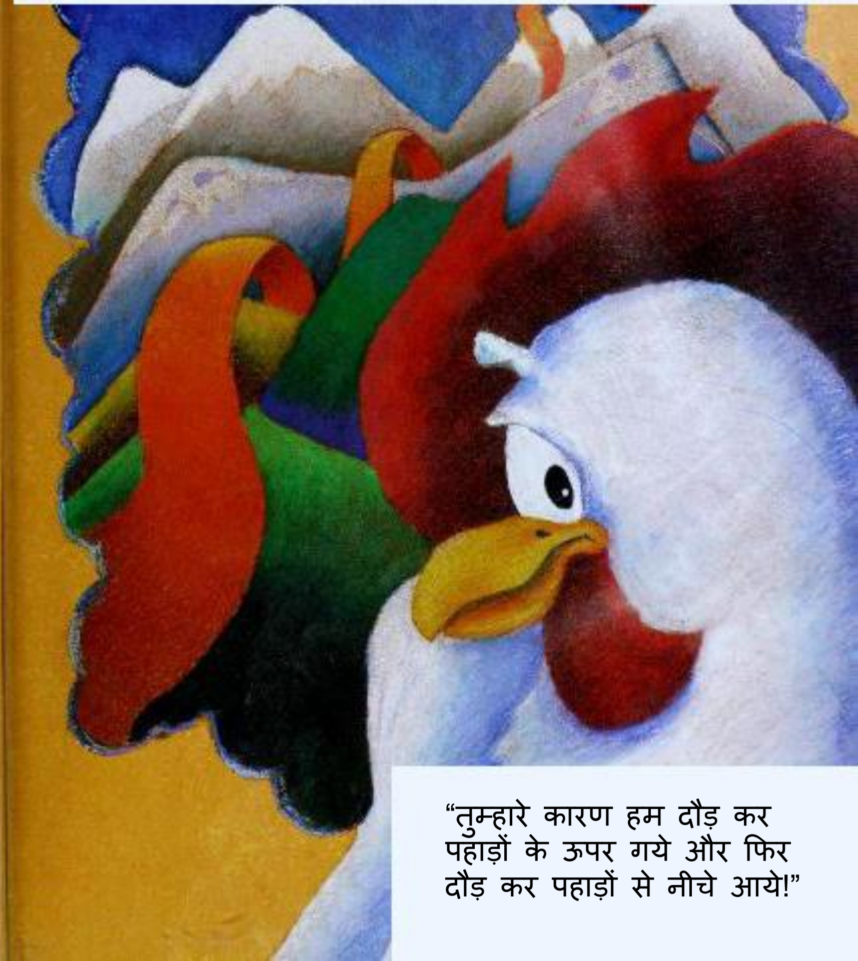
"You made us run from one town to another!"

"You made us run through the fields and into the woods and across the meadows!"

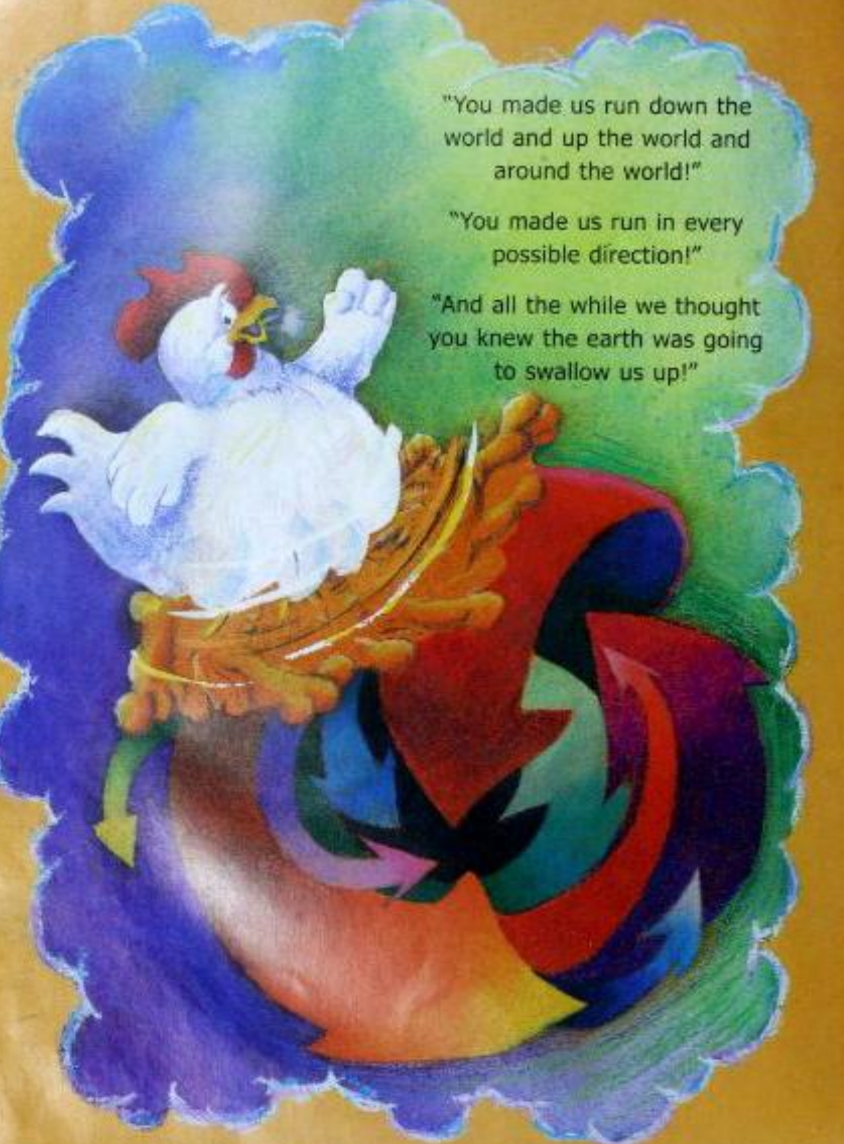


"You made us run up the mountains and down the mountains!"

“तुम्हारे कारण हम एक नगर से दूसरे नगर दौड़ते हुए गये!”
“तुम्हारे कारण हम खेतों से दौड़ते हुए जंगल की ओर गये और फिर घास के मैदानों के पार दौड़े!”



“तुम्हारे कारण हम दौड़ कर पहाड़ों के ऊपर गये और फिर दौड़ कर पहाड़ों से नीचे आये!”



"You made us run down the world and up the world and around the world!"

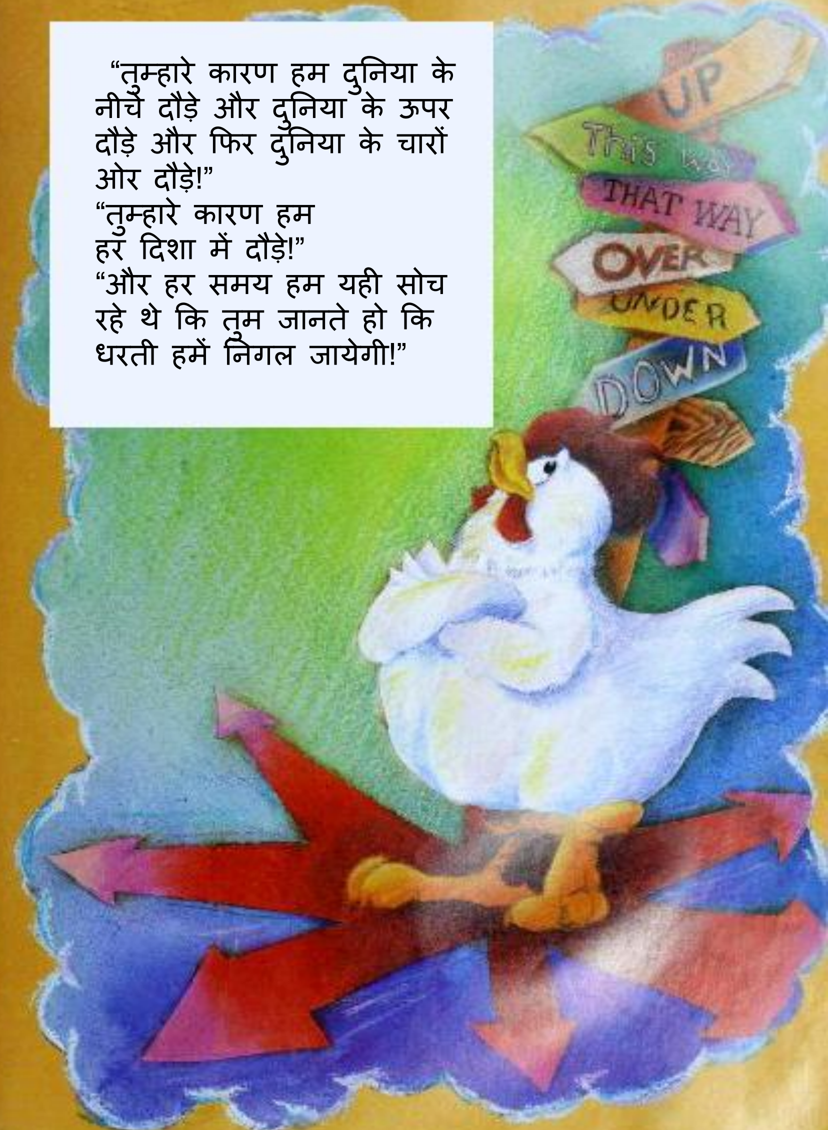
"You made us run in every possible direction!"

"And all the while we thought you knew the earth was going to swallow us up!"

“तुम्हारे कारण हम दुनिया के नीचे दौड़े और दुनिया के ऊपर दौड़े और फिर दुनिया के चारों ओर दौड़े!”

“तुम्हारे कारण हम हर दिशा में दौड़े!”

“और हर समय हम यही सोच रहे थे कि तुम जानते हो कि धरती हमें निगल जायेगी!”



The chicken smoothed his feathers and cackled and said, "Well, that just shows how silly you are! Only silly people would listen to a chicken in the first place. You think a chicken knows something just because he can talk?"

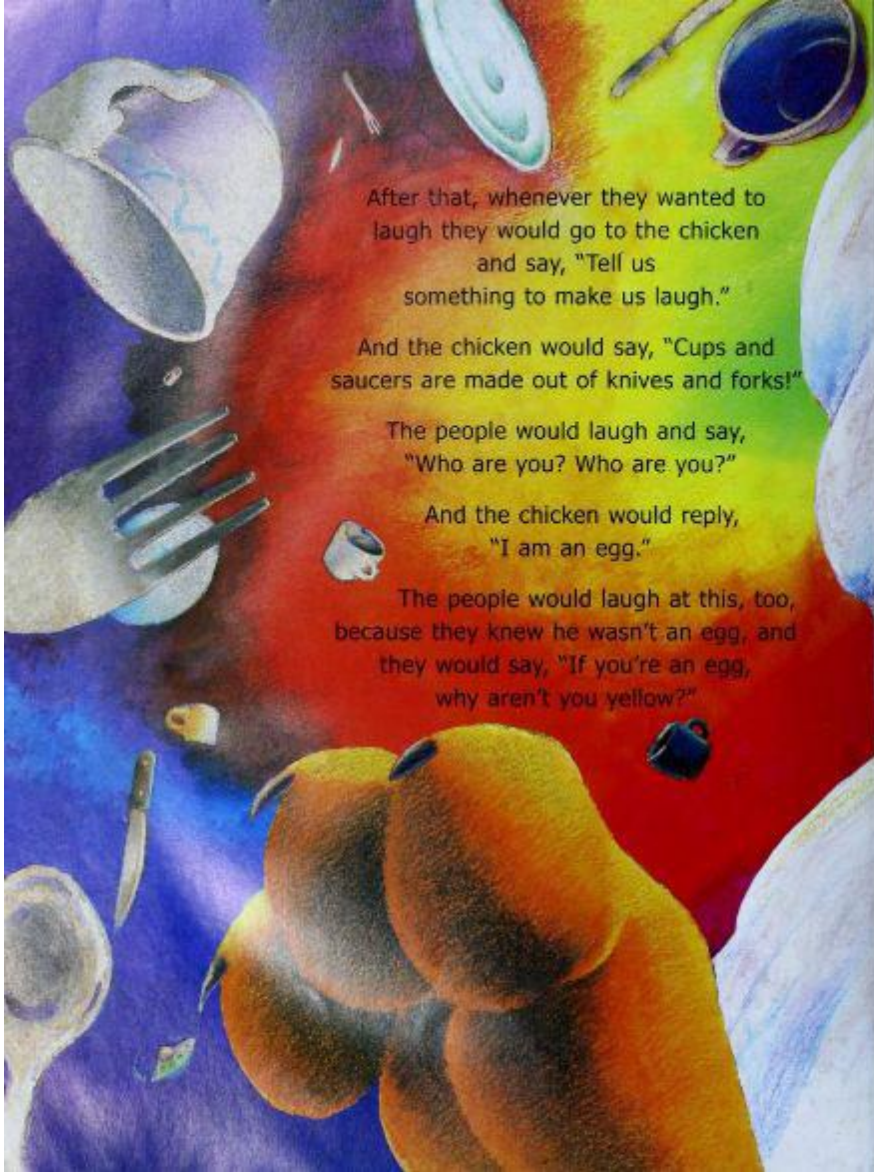
At first the people just stared at the chicken, and then they began to laugh. They laughed, and they laughed, and they laughed because they realized how silly they had been, and they found that very funny indeed.





मुर्गे ने अपने पंखों को सहलाया और हंसा और बोला, “अहा, इससे तो यही पता चलता है कि तुम सब कितने नासमझ हो! सिर्फ नासमझ लोग ही एक मुर्गे की बात पर ध्यान देंगे. तुम्हें लगता है कि एक मुर्गा कुछ जानता है, सिर्फ इसलिये कि वह बोल सकता है?”

पहले तो लोग उस मुर्गे को कुछ देर चुपचाप देखते रहे और फिर वह हंसने लगे. वह हँसे, वह और हँसे और वह सब यह सोच कर हँसे कि वह कितने नासमझ थे और उन्हें यह बात बहुत ही हास्यास्पद लगी.



After that, whenever they wanted to laugh they would go to the chicken and say, "Tell us something to make us laugh."

And the chicken would say, "Cups and saucers are made out of knives and forks!"

The people would laugh and say, "Who are you? Who are you?"

And the chicken would reply, "I am an egg."

The people would laugh at this, too, because they knew he wasn't an egg, and they would say, "If you're an egg, why aren't you yellow?"



उस दिन के बाद जब भी वह हँसना चाहते थे
तो वह उस मुर्गे के पास आते और कहते थे,
“हमें हंसाने के लिये कोई बात सुनाओ.”
और मुर्गा कहता, “कप और कटोरे छुरी और कांटे के बने हुए हैं.”
लोग खूब हँसते और पूछते,
“तुम कौन हो? तुम कौन हो?”
और मुर्गा कहता,
“मैं एक अंडा हूँ.”
लोग इस बात पर भी खूब हँसते
क्योंकि वह जानते थे कि वह एक अंडा नहीं था.
फिर वह कहते, “अगर तुम एक अंडे हो
तो तुम पीले रंग के क्यों नहीं हो?”



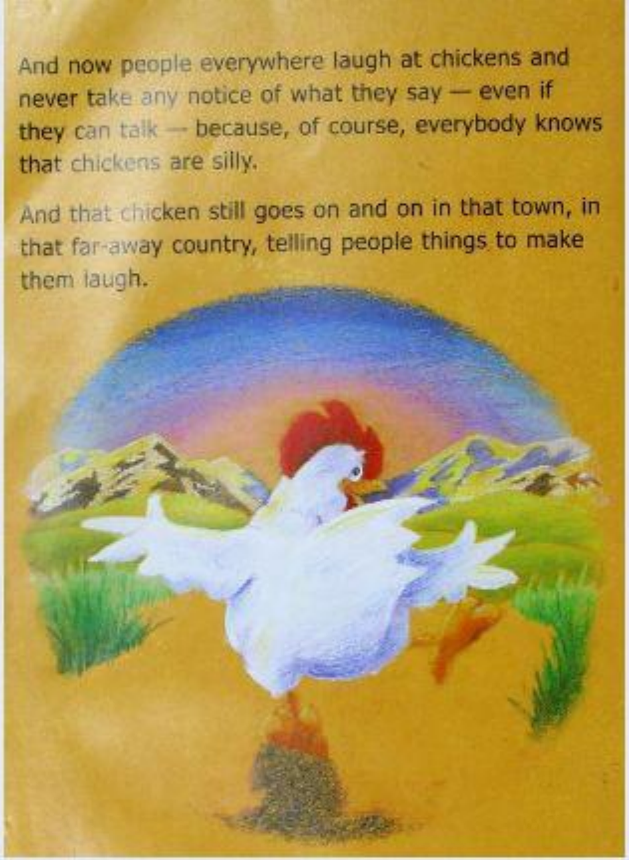
"I am not yellow," the chicken would reply,
"because I painted myself blue."

The people would laugh at this, too, because
they could see he was not blue at all, and
they would say, "What did
you paint yourself with?"

And the chicken would reply, "With red ink."

And at this they laughed
the hardest of all.

“मैं पीला नहीं हूँ,” मुर्गा उत्तर देता,
“क्योंकि मैंने अपने को नीला रंग दिया है.”
लोग इस बात पर भी हँसते
क्योंकि वह देख सकते थे कि उसका रंग
नीला बिलकुल नहीं था. और वह पूछते,
“तुम ने किस से अपने को रंगा?”
और मुर्गा उत्तर देता, “लाल स्याही से.”
और उसका उत्तर सुन लोग
और ज़ोर से हँसते.


And now people everywhere laugh at chickens and never take any notice of what they say — even if they can talk — because, of course, everybody knows that chickens are silly.

And that chicken still goes on and on in that town, in that far-away country, telling people things to make them laugh.

और अब हर जगह लोग मुर्गों पर हँसते हैं और उनकी बातों की ओर कोई ध्यान नहीं देते-भले ही वह बोल सकें-क्योंकि अब बेशक सब जानते हैं कि मुर्गे मूर्ख होते हैं.

और वो मुर्गा अभी भी उस नगर में, उस दूर देश में, लोगों को अपनी बातों से हंसाता रहता है.

**समाप्त**